# अवन्तिका की बेइन्तिहा मुहब्बत-3

“सेक्स कहानी के इस भाग में है प्रेमिका का प्यार भरा समर्पण, कुंवारी चूत में लंड घुसने का दर्द और मज़ा…

प्यार करने वाली लड़की की गांड की चुदाई !…”

**Story By: (manas)**
**Posted: Sunday, October 9th, 2016**
**Categories: जवान लड़की**
**Online version: अवन्तिका की बेइन्तिहा मुहब्बत-3**


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# अवन्तिका की बेइन्तिहा मुहब्बत-3

अब तक आपने पढ़ा..

मैंने डंबो की चूत में अपना लौड़ा ठेला ही था कि उसकी एक जोरदार चीख निकल गई।

अब आगे..

उसकी चूत से खून की धार निकल पड़ी। साथ ही उसकी आँखों से आंसू भी निकले। मैंने दूसरा शॉट नहीं लगाया क्यूंकि डंबो दर्द से कराह रही थी। मैं उसे कुछ देर तक चूमता रहा और कुछ देर उसकी कमर मालिश की।

फिर उसने कहा- नाउ इट्स ओके शोना..

मैं फिर उसके ऊपर तैयार हुआ और फिर से मैंने एक तेज़ शॉट लगाया।
डंबो फिर चिल्लाई.. पर अब मैंने उसकी एक ना सुनी, मैंने उसे अपनी बांहों में जकड़ लिया और उसके चिल्लाते हुए होंठों को अपने मुहब्बती होंठों से बंद कर दिया।

अब मैंने धकाधक चुदाई चालू की… डंबो मेरी बांहों में अगले 10 मिनट तक तड़फ़ड़ाती रही- शोना… आह हा हा.. आहह.. मर गई मां.. हा हाआह..

वो कभी मेरी पीठ नोंचती.. तो कभी चिल्लाती.. कभी मुझसे गिड़गिड़ाती.. कभी मुझसे अलग होने की कोशिश करती, पर मैंने उसकी एक ना सुनी।

अब कुछ मिनट बाद उसे भी मज़ा आने लगा था.. और वो भी मुझे अपनी गांड उचका-उचका कर साथ देने लगी और उसकी कराहट अब कामुक सिसकारियों में बदल गई, मेरे

पूरा बेडरूम एक अलग ही आवाज़ से गूँज रहा था।

मैं उसकी चूत को पागलों की तरह चोदे जा रहा था। वो कभी मेरा सिर अपनी बांहों में खींचती… तो कभी मेरी पीठ पर अपने नाखून चुभोती.. कभी अपने दोनों हाथ की हथेलियों से मेरी गांड सहलाती।

कुछ ही पल बाद डंबो झड़ चुकी थी.. पर उसने इस बात का मुझे तनिक भी आभास होने नहीं दिया। वो मुझे उसी तरह से प्यार दे रही थी.. जिस तरह से झड़ने से पहले दे रही थी। थोड़ी ही देर में मुझे अपने लंड पर एक अजब सी बिजली दौड़ती सा एहसास हुआ।

मैंने डंबो से कहा- डियर, मैं अब और रह नहीं पाऊँगा।
उसने कहा- अन्दर ही छोड़ दो डियर.. पहला एक्सपीरियेन्स थोड़ा यादगार बनाना चाहती हूँ।

अब शॉट लगाते हुए मैंने अपना लावा अन्दर ही छोड़ दिया और डंबो के ऊपर ही ढेर हो गया।

डंबो ने मुझे एक मां की तरह अपने गोद में सुला लिया और रात को 3 बजे तक हम दोनों ने गहरी नींद ली।

इसके बाद डंबो मेरे उठने तक मुझे उठ-उठ कर देखती रही.. तो कभी मेरे सिर पर किस करती रही.. कभी मेरे बाल सहलाती.. तो कभी मुझसे चिपक कर सो जाती।

बड़ी सुबह जब मैं टॉयलेट जाने के लिए उठा और जैसे ही मैं वापस आया.. तो उस वक्त मैंने डंबो को बिस्तर पर पूरी नंगी लेटी हुई देखा, क्या लग रही थी वो..

बिस्तर पर खून के धब्बे, मेरे और उसके वीर्य के धब्बे.. बाल अलग से ही बिखरे हुए, चेहरे

पर एक अलग सी तृप्ति.. उसकी चूत अलग से सूजी हुई दिख रही थी।

मैं उससे फिर चिपक गया और उसकी कमर और कूल्हों पे बेइन्तिहा चुंबन बरसाए.. जिससे वो उठ गई थी। वो बड़े मज़े से मेरे प्यार का सम्मान कर रही थी।

अब फिर से मैंने उसके होंठों को जकड़ा और फिर एक लंबा चुंबन का दौर शुरू किया।
मेरा लंड फिर प्यार माँग रहा था.. और यह बात डंबो को मेरा लंड छूते ही पता चल गई थी।

डंबो मेरी बाँहों से थोड़ा सा नीचे खिसकी और उसने फिर से मेरा लंड चूसना शुरू किया।
थोड़ी देर की लंड चुसाई के बाद मैंने उसे घोड़ी बनाया और फिर से धकापेल चुदाई मचाई।

डंबो इस घोड़ी वाले आसन में चुदाई का बड़ा मज़े से आनन्द ले रही थी।
मैं घोड़ी छाप चुदाई के साथ-साथ में डंबो को मम्मों को प्रेस और कमर पर चुम्बन का आनन्द भी दे रहा था।

उसके बाद मैंने डंबो को कुरसी पर बैठा कर भी चोदा।
मैं अपनी डायनिंग चेयर पर बैठा और वो मेरे लंड पर आकर बैठ गई।
उसके बाद वो जो मेरे लंड पर उछलना शुरू हुई.. यकीन मानो दोस्तों कम से कम 15 मिनट तक वो मेरे लंड पर पूरी मस्ती से उछलती रही।
उसी दौरान कभी वो मुझे काटती.. तो कभी मेरे बाल खींचती.. तो कभी वो मुझसे लिपट जाती।

हाय.. क्या नज़ारा था डंबो की मुहब्बत का.. डंबो जब थकी, तो वो एकदम से चूत को झटका देते हुए मेरे लंड से उतरी.. मेरे लौड़े को एक बड़ी तेज सुरसुरी हुई।
अब उसने मेरा लंड मुँह में लेकर चूसना चालू कर दिया।

डंबो इस चेयर वाली चुदाई के बाद चेहरे से पूर्णत: थकी हुई दिख रही थी.. पर उसने मुझे प्यार करने में कही कमी नहीं छोड़ी।

अभी सुबह के लगभग 4 बजे थे। वो पूरे मस्ती में थी… और सुबह के उस समय मेरे लंड को बड़े प्यार से चूस रही थी।

डंबो मुझ पर इतनी मुहब्बत बरसा रही थी कि मैं भी उसे प्यार करे बिना कहाँ छोड़ने वाला था, मैंने डंबो को मेरे ऊपर उल्टा लेटने को कहा।

इस 69 जैसी स्थिति में वो मेरा लंड चूस रही थी और मैं डंबो की चूत चाट रहा था। डंबो अब फिर से पूर्णत: गरम हो चुकी थी.. पर अगले 5 मिनट की चटाई के बाद डंबो तो मेरे मुँह में झड़ गई।

आमतौर पर दोस्तो, यह देखा जाता है कि झड़ने के बाद लड़कियां सेक्स में उतना आनन्द नहीं लेतीं.. पर मेरी प्यारी डंबो तो मुझे झड़ने के बाद और प्यार दे रही थी।

मैं बैठ गया और मैंने डंबो को मेरे लंड पर सैट होने का कहा.. वो लपक कर मेरे लंड पर आ कर बैठ गई।
डंबो अब मेरे लंड पर सटासट ऊपर-नीचे होकर मज़ा ले रही थी।

मैंने उसे गोदी में उठाया और उसे गोदी में उठाकर अगले 5 मिनट तक चूतड़ों पर थाप देते हुए जबरदस्त चोदा। डंबो को मेरी इस चुदाई की अदा ने तो जैसे पागल ही कर दिया।
वो मेरी गोद में लिपट कर मुझे बेइन्तिहा चूम रही थी और मैं उसे चोद रहा था।

मैंने थोड़ी देर बाद उसे अपनी गोद से उतारा।
डंबो जानती थी कि मैं अभी झड़ा नहीं हूँ, उसने मेरी गोद से उतरते ही फिर से मेरा लंड चूसना शुरू कर दिया।

पर मेरा विचार अब कुछ और ही था…
पूछिए क्या.. थोड़ा नॉटी सा..
हाँ… सुबह के 5 बजे अब मैं उसकी गद्देदार गांड मारना चाह रहा था।

मैंने उसे पीठ के बल लेटाया.. अपनी उंगली से ढेर सारा तेल उसकी गांड पर मला और धीरे-धीरे थोड़ी देर तक उसकी गांड के छेद को चाट कर उसे लचीला करता रहा।
मैंने अपने लंड पर थोड़ा सा तेल लगाया और उसकी गांड के छेद पर रगड़ने लगा।

डंबो की गांड देख कर कोई भी मर्द अपने आपको संभाल नहीं सकता है.. ये मेरा दावा है।

मैंने अब एक ज़ोर का धक्का डंबो की गांड पर मारा.. डंबो चिल्लाई और तड़फ़ड़ाने लगी.. पर मेरी पकड़ उस पर अच्छी थी। क्यूंकि मैंने उसे अपने छाती के दबाव से पकड़ कर रखा था और उसके हाथों को मैंने अपने हाथों से जकड़ रखा था।

क्या मज़ा आ रहा था दोस्तो.. एक तड़फती और चिल्लाती लड़की को चोदने का मज़ा ही कुछ और है।

कुछ देर बाद मैंने सीधे करके उसकी गांड मारी.. वो अब मेरे इस प्यार को स्वीकार कर रही थी और ‘आहा हा.. आह आहा.. हा आहा..’ की आवाजों के साथ सिसकारियाँ निकाल रही थी।

अब मैं झड़ने वाला था.. मैंने डंबो से कहा- जान.. मैं छूटने वाला हूँ।

डंबो तुरंत मुझसे अलग हुई और मेरा लंड चूसने लगी और चूसते-चूसते मैंने अपना सारा लावा उसके मुँह में छोड़ दिया और वो बड़े प्यार से पूरा कामरस चट कर गई।
वो इतनी थकी हुई थी कि वो तुरंत ही बिस्तर पर कंबल ओढ़ कर सो गई।

फिर से सुबह 6 बजे मेरे लंड महाशय मालिश माँग रहे थे.. तो अब डंबो को मैंने घोड़ी बना कर उसकी फिर से गांड मारी। इस बार तो मैंने अपना पूरा वीर्य उसके मम्मों पर गिराया।

अब बेचारी डंबो ढंग से चल भी नहीं पा रही थी और मेरा भी कुछ ऐसा ही हाल था।
मेरी पीठ उसके नाखूनों से लाल हो गई थी.. पर वो दर्द भी एक मीठा दर्द था।

मैंने उसे गोद में उठाया और हम उसके बाद बाथटब में फिर से नहाए।
डंबो मुझे तौलिये से पोंछती हुई बोली- शोना.. कल का दिन और ये रात मैं अपनी ज़िंदगी में कभी भी भूल नहीं पाऊँगी।
कहते हुए उसने मुझे एक ज़ोर का चुम्मा दिया।

अगले दिन सुबह 8 बजे हमने साथ में नाश्ता किया। थोड़ी देर साथ में अख़बार पढ़ा और कुछ फ्यूचर से जुड़ी बातें की।

अब मैं और डंबो हर हफ्ते किसी ना किसी दोस्त के घर पर तो किसी होटल के कमरे में एक-दूसरे को खुशियाँ देते हैं।

डंबो ने मुझे प्रॉमिस किया था कि वो मुझे दुनिया की सारी फेंटसीज का सुख देगी और अनुभव क़राएगी।

सही मानो दोस्तों.. आज हमारे रिश्ते को ढाई साल हो गए हैं। उसने मुझे अपनी 3 सहेली की चूत चुदाई का आनन्द भी दिया है। एक दिन तो मैंने डंबो और उसकी एक सहेली को साथ में चोदा था।

मेरे और डंबो के जीवन में और भी बहुत सारे मज़ेदार किस्से हैं, जो मैं अगली कहानियों में ज़रूर लिखूंगा।

दोस्तो, आपको मेरी कहानी कैसी लगी, मुझे ज़रूर बताईएगा, मुझे ईमेल ज़रूर कीजिएगा।

manas.lovebirds@gmail.com

# Other stories you may be interested in

## बहन की नंगी जांघें देखकर चोद दिया

मेरा नाम रोहन है. मैं बरेली का रहने वाला हूँ और अपने घर से दूर एक कमरा लेकर अपनी ग्रेजुएशन पूरी कर रहा हूँ. बात कुछ ज्यादा पुरानी नहीं है. हमारे कॉलेज में एक लड़की पढ़ती थी. उसका नाम मैं […]
Full Story >>>

## सुहागरात को दुल्हन की गांड में डिल्डो

मेरा नाम नीलेश (बदला हुआ) है. मेरी उम्र 22 साल है. मेरी बीवी प्रियंका, बहुत ही हॉट है. उसकी उम्र 21 साल है और रंग गेहुंआ है. उसकी फिगर के बारे में बात करूँ तो 35-26-37 है. मेरी बीवी को […]
Full Story >>>

## ऑफिस की मैनेजर निकली मेरी कस्टमर

नमस्कार दोस्तो ! मेरा नाम कबीर है. मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूँ. देखने में अच्छा दिखता हूँ. मध्यम वर्ग परिवार से होने के कारण मेरी पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं है. इस कारण मैं पैसा कमाने के लिए एक दूसरी […]
Full Story >>>

## दौड़ पड़ी मेरी बीवी की चुदाई एक्सप्रेस-2

मेरी चुदैल चुदक्कड़ बीवी की चुदाई की कहानी के प्रथम भाग दौड़ पड़ी मेरी बीवी की चुदाई एक्सप्रेस-1 में आपने पढ़ा कि मेरी बीवी ने अनायास ही हमारे पड़ोसी का लम्बा बड़ा लंड देख लिया था और उसकी चूत उस […]
Full Story >>>

## बीमारी ने दिलायी प्यासी भाभी की चूत-5

दोस्तो, मेरी कहानी के पिछले भाग बीमारी ने दिलायी प्यासी भाभी की चूत-4 में अब तक आपने पढ़ा था कि मैं काम के सिलसिले में हैदराबाद गया था. वहां एक रात अचानक एक महिला से मिला और रात उसके साथ […]
Full Story >>>